बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

ekfld izfrosnu

नवम्बर 2019

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k

¼vkink izca/ku foHkkx] fcgkj ljdkj½

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

fo"k; lph	i`t u-

(A) vfHk;rkvks@okLrqfonks@ lsonkdks@jktfefL=;ks dk
HkwdEijks/kh fuekZ.k rduhd ls lcaf/kr izf'k{k.k 01&04

(B) fcgkj iqfyl ds inkf/kdkfj;ks dk ^vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku^ ij 0;olkf;d izf'k{k.k dk;ZØe dk 'kqHkkjEHk 05&06

(C) eq[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;ZØe 07&08

(D) lqjf{kr rSjkdh ß dk;ZØe ds vUrxZr ;qod@;qofr;ks dk ekLVj VsªulZ dk izf'k{k.k 09&10

(E) ukfodkvks ds fuca/ku gsrq fuca/kdks@lo{kdks dk izf'k{k.kA 11

(F) ftyk Lrjh; Þ lM+d lqj{kk tkx:drk ß tkx:drk dk;ZØe 12&13

(G) vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyks ds p;fur iz[k.Mks ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;Zdze 14

(H) lkuiqj esyk 2019 esa iakf/kdj.k ds iofy;u dk 'kqHkkjEHk 15

(I) vLirky vfXu lqj{kk dk;ZØeA 16

(J) izkf/kdj.k }kjk izf'k{k.k ekWM;wyks dk fuekZ.k 17

(K) fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k dk 12ok¡ LFkkiuk fnol 18&19

(L) **Mass Messaging/Whatsapp Advisory** 20&23

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

Mason Training on 20-23 November 2019 at Shivar

ekfld izfronu ¼uoEcj] 2019½

(A) vfHk;rkvk@okLrfonk@londk@jktfefL=;k dk HkdEijk/kh fuek.k rduhd l lcf/kr if'k{k.kA

(1) fnukd 08 l 14 uoEcj 2019 को पूर्वी चम्पारण जिला के 11 प्रखंडों में 316 एवं शिवहर जिला के 05 प्रखंडों में 144 राजमिस्त्रियों को अर्थात कुल 316+144=460 jktfefL=;k को सात दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

(2) fnukd 13 l 16 uoEcj 2019 को पूर्वी चम्परण जिला के दूसरे बैच में 42 vlfud vfHk;rkvk को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

(3) fnukd 20 l 23 uoEcj 2019 को शिवहर जिला के 42 vlfud vfHk;rkvk को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

(4) fnukd 22 l 28 uoEcj 2019 को गोपालगंज जिला के 14 प्रखंडों में कुल 389 jktfefL=;k को सात दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

(5) fnukd 27 l 30 uoEcj 2019 को गोपालगंज जिला के 38 vlfud vfHk;rkvk को भूकम्परोधी भवनों के विषय पर प्रशिक्षित किया गया।

(6) दिनांक 6 नवम्बर, 20 नवम्बर एवं 21–22 नवम्बर 2019 को राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों का रिफ्रेशर कोर्स सम्पादित किया गया।

अक्टूबर 2019 तक कुल 9839 राजमिस्त्री एवं 2001 असैनिक अभियंता प्रशिक्षित किये गये थे।

इस प्रकार नवम्बर 2019 तक कुल 9839$460$389 ¾ 10688 jktfefL=;k को एवं 2001+42$42$38¾ 2123 vlfud vfHk;rkvk को प्रशिक्षित किया गया।

माह नवम्बर 2019 में संचालित कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण अगले पृष्ट पर द्रष्टव्य है :–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

uoEcj 2019 e lpkfyr dk;Øek dk fooj.k

Engineers Training/Refresher Course

Sr.	Name of Program	Training Date/ Venue	No. of Trained
1	4 Days Engineers Training	13-16 November /E. Champaran	42 Engineers
		20 -23 November /Sheohar	42 Engineers
		27-30 November/Gopalganj	38 Engineers
2	7 Days Mason Training	08 - 14 November /E. Champaran	316 Masons
		08 - 14 November /Sheohar	144 Masons
		22 - 28 November /Gopalganj	389 Masons
3	Refresher Course	06, 20, 21-22 November at BSDMA, Patna	----

7 days Mason training in E. Champaran District

Sr.	Name of Block	Training Date	No. of mason trained
1	केसरिया	08 - 14 November 2019	26
2	कल्याणपुर		29
3	मेहसी		29
4	चकिया		30
5	मधुबन		30
6	तेतरिया		29
7	चिरैया		29
8	ढाका		30
9	पकड़ीदयाल		29
10	पताही		25
11	फेनहारा		30
		Total	**316**

7 days Mason training in Sheohar District

Sr.	Name of Block	Training Date	No. of mason trained
1	पिपराही	08 - 14 November 2019	29
2	शिवहर		30
3	डुमरी कटसरी		25
4	पुरनहिया		30
5	तरियानी		30
		Total	144

7 days Mason training in Gopalganj District

Sr.	Name of Block	Training Date	No. of mason trained
1	cdBij	22 - 28 November 2019	30
2	fl/kokfy;k		27
3	cjkyh		29
4	ek>k		27
5	xkikyxt		28
6	Fkko		30
7	gFkvk		26
8	dpk; dkV		22
9	mpdxko		29
10	Qyofj;k		30
11	ipnojh		25
12	dV;k		26
13	Hkkj		30
14	fot ; ij		30
		Total	389

(B) fcgkj iqfyl ds inkf/kdkfj;ksa dk ^vkink tksf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku^ ij 0;olkf;d izf'k{k.k dk;Øe dk 'kqHkkjEHkA

प्राधिकरण की 5वीं (दिनांक 25.06.2011) एवं 11वीं (दिनांक 16.11.2017) बैठक में लिए गये निर्णय के आलोक में प्राधिकरण द्वारा बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का ‘‘आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन’’ विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण बिपार्ड के सहयोग से चलाये जाने का निर्णय हुआ।

बिहार पुलिस सेवा के अधिकारी राज्य, जिला एवं अनुमंडल स्तर पर विधि व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण एवं आमजन को सुरक्षा प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते ही हैं, मानवजनित एवं प्राकृतिक आपदाओं में भी राज्य की ओर से प्रथम रिस्पॉडर का कार्य करते हैं। विशेषकर मानवजनित आपदाओं, जैसे भगदड़, सड़क/रेल/हवाई दुर्घटनाओं एवं अगलगी में इनकी भूमिका प्राथमिक महत्त्व की हो जाती है। साथ ही वे प्राकृतिक आपदाओं की दशा में राहत एवं बचाव कार्यों के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि आपदा प्रबंधन की बदलती अवधारणा की पृष्ठभूमि में ‘‘आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन’’ विषय पर इनका क्षमतावर्द्धन किया जाए।

उक्त निर्णय के आलोक में बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों की ‘‘आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन’’ विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण का शुभारम्भ दिनांक 19.11.2019–21.11.2019 तक बिपार्ड में किया गया। जिसका उद्घाटन श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सदस्यद्वय डॉ0 यू. के. मिश्र तथा श्री पी.एन. राय के साथ–साथ महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण, श्री आलोक राज, एवं श्री अमित कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, विधि एवं व्यवस्था तथा सहायक निदेशक बिपार्ड, श्री सत्यप्रकाश मिश्रा भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बिहार के 30 पुलिस उपाधिक्षकों ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(C) e[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;ZØeA

1- fo|ky;ksa esa lqjf{kr 'kfuokj dk;ZØe dk fØ;kUo;u

इस कार्यक्रम के अंतिम चरण में विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार की वार्षिक सारणी के अनुसार प्रत्येक शनिवार को बाल प्रेरकों एवं फोकल शिक्षकों के माध्यम से विद्यालयों में आपदा सम्बन्धी जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सुरक्षित शनिवार के क्रियान्वयन दस्तावेज में वर्णित वार्षिक सारणी के अनुसार नवंबर माह के प्रथम शनिवार को बिहार के विभिन्न विद्यालयों में "भगदड़ सम्बन्धी जोखिम एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी" के बारे में फोकल शिक्षकों एवं बाल प्रेरकों के द्वारा जानकारी दी गयी। नवंबर माह के दूसरे शनिवार को "नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी" दी गयी। तीसरे शनिवार को "भूकंप से खतरे एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी (मॉकड्रिल)" दी गयी। चौथे शनिवार को "बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के सन्दर्भ में जानकारी" दी गयी।

2- dk;ZØe ds vuqJo.k grq ,Ii@ikVZy dk fuekZ.k

चूँकि यह कार्यक्रम राज्य के सभी सरकारी एवं निजी प्राथमिक। मध्य विद्यालयों एवं मदरसों में नियमित रूप से संचालित किया जाना है, अतएव कार्यक्रम के अनुश्रवण हेतु माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के साथ एप्प के निर्माण से सम्बंधित एक बैठक दिनांक 29 अगस्त को प्राधिकरण कार्यालय में माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय की माइक्रोसॉफ्ट के निदेशक श्री भास्कर बासु के साथ हुई। इस बैठक में सहमति बनी कि माइक्रोसॉफ्ट के इंजिनियर Microsoft के Kaizala App को मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (सुरक्षित शनिवार) की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार करेंगे। इस सम्बन्ध में माइक्रोसॉफ्ट के इंजिनियरों के साथ इसके कंटेंट के सम्बन्ध में विस्तृत वार्ता प्राधिकरण कार्यालय में हुई। इस सम्बन्ध में उनके द्वारा एक डेमो भी किया गया है तथा उपस्थित लोगों के द्वारा दिए गए सुझावों पर माइक्रोसॉफ्ट के इंजिनियरों के द्वारा कार्य किया जा रहा है। इस एप्प पर फोकल

शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु किए गए नवाचार एवं गतिविधियों को भी साझा करने की सुविधा रहेगी ताकि फोकल शिक्षक एक दूसरे से सीख सकें।

3 jkT; d lHkh enjlk e e[;e=h fo|ky; lj{kk dk;Øe ¼ljf{kr 'kfuokj½ dk çkjEHk dju d fy, fcgkj jkT; enjlk f'k{kk ckMZ d vè;{k d lkFk okrkZ&

विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाले सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के अनुश्रवण से ज्ञात हुआ कि यह कार्यक्रम मुख्य रूप से सरकारी विद्यालयों में चल रहे हैं जबकि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायादेश के आलोक में सभी विद्यालयों में इस कार्यक्रम को संचालित करना है। इस आशय का आदेश शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिलों को भेजा गया है।

इस दिशा में प्राधिकरण स्तर से बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड के साथ कई दौर की वार्ता हुई। मदरसा बोर्ड के सहयोग से प्राधिकरण इसे राज्य के सभी मदरसों में संचालित करने हेतु संकल्पित है। इस कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सर्वप्रथम इस कार्यक्रम की दोनों पुस्तकों (अवधारणा पत्र एवं सन्दर्भ पुस्तिका) का उर्दू अनुवाद बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किया गया है। प्राधिकरण द्वारा मदरसा शिक्षा बोर्ड के सहयोग से मदरसों के चयनित शिक्षकों को को मास्टर प्रशिक्षकों का 5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिनांक 2–6 सितम्बर, 2019 को कराया गया। इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पश्चात अंतिम रूप से चयनित 16 मास्टर प्रशिक्षकों का 2 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण दिनांक 24–25 सितम्बर, 2019 को प्राधिकरण के सभागार में किया गया। दिनांक 10 अक्टूबर, 2019 से सभी मदरसों के एक–एक फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रारम्भ कर दिया गया है। नवंबर माह में कुल 04 बैचों में 211 मदरसों के एक एक फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चूका है। मदरसों के प्रशिक्षित फोकल शिक्षक अपने–अपने मदरसों में सुरक्षित शनिवार का कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित कर रहे हैं।

(D) þlqjf{kr rSjkdhß dk;Øe ds vrxZr ;qod@;qofr;ksa dk ekLVj Vsªul izf'k{k.kA

प्राधिकरण द्वारा डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम के उद्देश्य से ''सुरक्षित तैराकी'' कार्यक्रम के अंतर्गत नदियों के किनारे अवस्थित गाँवों के युवक/युवतियों को निर्धारित अर्हताओं के अनुसार मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण का कार्य जारी रहा।

प्रशिक्षुओं को Resource Persons द्वारा एतद् विषयक प्रशिक्षण मॉड्यूल के अनुसार सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्व एवं उद्देश्य, विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण की प्रक्रिया, तैराकी प्रशिक्षण, डूबने को बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार, समुदाय स्तर पर बालक–बालिकाओं के प्रशिक्षण की प्रक्रिया, बंशी–जाल एवं झग्गड़/काँटा से डूबे हुए व्यक्ति/सामग्रियों की तलाश, संर्पदंश प्रबंधन एवं बाल संवेदनशीलता आदि विषयों पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

गत अक्टूबर माह तक 06 बैचों (04 पुरूष, 02 महिला) में पटना, वैशाली, खगड़िया एवं बेगूसराय जिला प्रशासन द्वारा नामित 103 युवकों एवं 56 युवतियों को मास्टर ट्रेनर्स के 9 दिवसीय मॉड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इनमें से कुल 122 (98 युवकों एवं 24 युवतियों) ने मास्टर ट्रेनर्स के लिए मॉड्यूल में निर्धारित मानदंडों को पूरा किया जिन्हें मास्टर ट्रेनर्स के रूप में चिन्हित किया गया। नवम्बर माह का प्रशिक्षण विवरण निम्नांकित है :

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम इस माह भी जारी रहा। नवम्बर माह में दिनांक–25.11.2019 से 03.12.2019 तक भोजपुर जिले के शाहपुर एवं बड़हरा प्रखंड के 20 युवकों को NINI में प्रशिक्षण दिया गया। इन युवकों को निर्धारित प्रशिक्षण मॉडयूल के आधार पर मास्टर प्रशिक्षण के रूप में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें मुख्य विषय हैः– ''सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्व एवं उदेश्य, विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण की प्रक्रिया, तैराकी प्रशिक्षण, डूबने को बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार, समुदाय स्तर पर बालक/बालिकाओं के प्रशिक्षण की प्रक्रिया, बंशी–जाल एवं झग्गड़/काँटा से डूबे हुए व्यक्ति/सामग्रियों की तलाश, सर्पदंश प्रबंधन एवं बाल संवेदनशीलता आदि''

cp l0	frfFk	ftyk	i[k.M	LFkku	dy if'kf{kr if'k{k i:"k	
7	25.11.2019 से 03.12.2019	भोजपुर	शाहपुर एवं बड़हरा	NINI	मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षित प्रशिक्षु	19
					तैराकी प्रशिक्षित प्रशिक्षु	01
					कुल	20

इस प्रकार अक्टूबर माह तक कुल 07 बैचों में पटना, वैशाली, खगड़िया, बेगूसराय एवं भोजपुर जिलों के कुल 98+19 =117 युवकों एवं 9+15 = 24 युवतियों को मास्टर ट्रेनर्स तथा कुल 25 युवतियों एवं 05+1 = 06 युवकों को तैराकी में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(E) ukdkvk d fuc/ku gr fuc/kdk@lo{kdk dk if'k{k.kA

नौकाओं के सर्वेक्षण एवं निबंधन हेतु विभिन्न जिलों में आदर्श नौका नियमावली के प्रावधानों के अनुसार संबंधित जिला पदाधिकारियों द्वारा अधिसूचित निबंधकों/सर्वेक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के अर्न्तगत जुलाई माह 2019 तक कुल 23 बैचों में 25 (अति बाढ़ प्रवण एवं बाढ़ प्रवण) जिलों के कुल 513 निबंधकों/सर्वेक्षकों का प्रशिक्षण NINI, (गायघाट, पटना) में कराया जा चुका है। अगस्त से अक्टूबर माह तक प्रशिक्षण नहीं सम्पन्न किया जा सका। नवम्बर 2019 की प्रगति निम्नवत् है :–

l= l[;k	frfFk	if'k{k.k e 'kkfey ftyk	LFkku	d|y if'kf{kr if'k{k|
1.	20.11.2019 से 22.11.2019	भोजपुर/पूर्णिया	NINI गाय घाट, पटना	20
			d|y	20

इस प्रकार जुलाई माह तक 24 बैचों में 26 जिलों के कुल 513+20 = 533 निबंधकों/सर्वेक्षकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(F) ftyk Lrjh; ÞlMd lqj{kk tkx:drkß tkx:drk dk;Øe

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा में युवक/युवतियों एवं उनके परिवारों को सुरक्षित रहने के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम नवम्बर माह से प्रारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम में परिवहन विभाग, AIIMS पटना, संकल्प ज्योति और प्रेरणा के साथ–साथ अन्य संगठनों के सहयोग से इस कार्यक्रम को विभिन्न जिलो से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जिले के अन्य प्रमुख शहरों किनारे एवं आस–पास अवस्थित उच्च एवं माध्यमिक विद्यालय एवं महाविद्यालयों में चलाया जाना है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ दिनांक 30.11.2019 को सारण जिला के नया गाँव एवं सोनपुर प्रखंड के गोगल सिंह, इटंर स्तरीय विद्यालय, नया गाँव, सारण एवं पहाड़ी चक बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनपुर सारण, विद्यालय में संचालित किया गया। कार्यक्रम में जिला स्तर के अधिकारियों का सक्रिय भागीदारी रही। पुलिस अधीक्षक, जिला परिवहन पदाधिकारी, अपर समाहर्त्ता (आपदा प्रबंधन) सारण एवं अन्य अधिकारी शामिल रहें। ये कार्यक्रम पूरे वर्ष चलाया जाना है।

उक्त कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं संबंधी विडियों क्लिप्स (क्या करें, क्या नहीं करें) का प्रदर्शन, सड़क दुर्घटना में प्रभावित हुये छात्र/छात्राओं द्वारा अनुभव साझा करना, नुक्कड़ नाटक, अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा हेतु शपथ, प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण आदि गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है।

दिनांक 30.11.2019 को सारण जिले के नया गाँव एवं सोनपुर प्रखंड के अन्तर्गत अवस्थित निम्नलिखित विद्यालयों में उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया गयाः—

Ø0l0	fo|ky; dk uke
1	गोगल सिंह, इटंर स्तरीय विद्यालय, नया गाँव, सारण।
2	पहाड़ीचक बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सोनपुर, सारण।

उक्त कार्यक्रम में उल्लिखित विद्यालयों के लगभग 350 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

(G) vkink tkf[ke U;wuhdj.k ,oa izca/ku fo"k; ij fcgkj ds lHkh ftyksa ds p;fur iz[k.Mksa ds izeq[k ,oa ftyk ifj"kn~ v/;{k dk jkT; Lrjh; izf'k{k.k dk;Zdze%&

बिहार राज्य के बहु–आपदा के संबंध में प्रखण्ड स्तर तक आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन संबंधी जागरूकता के उद्देश्य से बिहार के सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरंभ किया गया है।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से सभी प्रखंडों के प्रमुख एवं जिला परिषद् अध्यक्ष को बहु–

आपदा के जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के संबंध में जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी और इसके द्वारा आपदाओं के जोखिम की पहचान कर उससे सामना करने हेतु उनका क्षमतावर्धन हो सकेगा तथा ''बिहार आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोड मैप 2015–2030'' के उद्देश्य के अनुरूप एक ''सुरक्षित बिहार'' के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी।

प्राधिकरण द्वारा माह नवम्बर 2018 से चयनित प्रखंडों के प्रमुखों को ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अक्टूबर 2019 तक कुल 326 प्रमुख तथा 22 जिला परिषद् अध्यक्षों को प्रशिक्षित किया गया। माह नबम्बर में 8 प्रमुख एवं 1 जिला परिषद् अध्यक्ष का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। उइस प्रकार अब तक कुल 326+8=334 एवं 22+1=23 जिला परिषद् अध्यक्षों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(H) lkuiqj esyk 2019 esa ikf/kdj.k ds iosfy;u dk 'kqHkkjaHk

प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सोनपुर मेला 2019 के अवसर पर आपदा प्रबंधन संबंधी जन–जागरूकता कार्यक्रमों के प्रचार–प्रसार हेतु विविध कार्यक्रमों के आयोजन हेतु एक पैवेलियन (पंडाल) का अधिष्ठापन कराया गया है जिसका शुभारंभ दिनांक 14.11.2019 को माननीय मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा किया गया ।

प्राधिकरण के पैवेलियन में एवं सोनपुर मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर हितधारकों (एन0 डी0 आर0 एफ0, एस0 डी0 आर0 एफ0, बिहार अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा, गृह रक्षा वाहिनी, नुक्कड़ नाटक टीमों एवं गैर सरकारी संस्थाओं आदि) के सहयोग से आपदा प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर जन–जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार की विविध गतिविधियों का आयोजन प्रत्येक दिन किया जा रहा है।

प्राधिकरण के पैवेलियन में रविवार को छोड़कर अन्य सभी कार्य दिवसों में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम से संबंद्व विद्यालयों के लगभग 50–60 बालक/बालिकाओं द्वारा विभिन्न आपदाओं एवं उनसे बचाव के संबंध में जागरूकता स्टॉल्स का भ्रमण, चित्रकारी प्रतियोगिता, मॉक ड्रिल एवं नुक्कड़ नाटकों का अवलोकन आदि गतिविधियों में भाग लिया जाता है।

(I) vLirky vfXu lqj{kk dk;Øe%&

अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के तहत किये गये प्रयासों एवं '16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सुचकांक' के कार्यान्वयन के कारण पटना के सभी सरकारी अस्पतालों की अग्निरोधक क्षमता में काफी वृद्धि हुई है और अधिकांश अस्पताल काफी हद तक आग के न लगने देने और लग जाने पर तत्काल काबू पाने में दक्षता प्राप्त कर चुके हैं।

इन अस्पतालों का बार–बार निरीक्षणों के उपरांत यह पाया गया कि हितधारकों को अग्नि सुरक्षा के बारे में जागरूकता एवं क्षमतावर्धन की अभी भी बहुत आवश्यकता है। यह भी आवश्यक है कि अग्नि सुरक्षा के कार्यक्रम राज्य के सभी अस्पतालों में सघन रूप से चलाए जाएं। इसलिए इस बात की वृहद चर्चा अग्नि सुरक्षा क्रियान्वयन एवं निगरानी समिति की दिनांक 13.08.2019 को प्राधिकरण में हुई बैठक में की गयी। इस बैठक में अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के तहत जागरूकता लाने एवं क्षमतावर्धन हेतु विडियों फिल्म एवं 04 मॉडलों का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही साथ यह भी निर्णय लिया गया कि इन मॉडलों एवं विडियों फिल्म के निर्माण के बाद इसके द्वारा अग्नि सुरक्षा से जुड़े हितभागियों को जागरूक कर के फायर इंजिनियरिंग व अग्नि रोकथाम के उपायों पर उनकी क्षमता व समझ को बढ़ाया जाये।

इस माह में प्राप्त इन मॉडलों एवं फिल्म का निर्माण एवं प्राप्ति के पश्चात इनकी सहायता से पटना के सभी अस्पतालों के अधीक्षक एवं अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारीगण, बिहार अग्निशमन सेवा के डीजी सहित पटना स्थित सभी फायर ऑफिसर्स तथा प्राधिकरण के सभी प्रोफेशनल्स/पदाधिकारियों के लिए जागरूकता सह प्रशिक्षण के कार्यक्रम ट्रायल बेसिस पर सम्पन्न किए जा चुके हैं।

आगे इन मॉडलों एवं फिल्म को जन जागरूकता एवं प्रशिक्षण के लिए पूरे राज्य के स्तर पर किए जाने की योजना है। ताकि राज्य के लोगों का अग्निशमन के उपर क्षमतावर्धन हो सके। खासतौर पर अस्पताल अग्नि सुरक्षा से जुड़े हितभागियों का क्षमतावर्धन में इसका उपयोग हो सके जिससे राज्य के सभी अस्पतालों को अग्नि से सुरक्षित करने में मदद मिले।

(J) ikf/kdj.k }kjk izf'k{k.k ekM;wyks dk fuek.k

प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के प्रशिक्षण हेतु मॉडयूल की तैयारी की जा रही है। वर्त्तमान में निम्न मॉडयूलों के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी हैः–

1. जीविका दीदीयों का प्रशिक्षण मॉडयूल।
2. सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण मॉडयूल।
3. शहरी निकायों के पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण मॉडयूल।
4. प्रखंड विकास पदाधिकारियों/अंचल अधिकारियों का प्रशिक्षण मॉडयूल।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की गत बैठकों में उपरोक्तानुसार हितभागियों के क्षमता निर्माण का निर्णय लिया गया था। प्राधिकरण द्वारा क्षमता निर्माण के अबतक जो भी कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं उन सभी कार्यक्रमों के संचालन हेतु सहभागी प्रक्रिया द्वारा विभिन्न हितधारकों के सहयोग से मॉडयूल का निर्माण करने के उपरांत प्रशिक्षण प्रारंभ किये गये हैं। इसी क्रम में उपरोक्त चारों मॉडयूलों के निर्माण हेतु अलग–अलग प्रारूपण समितियों का गठन किया गया। माह नवम्बर में विभिन्न समितियों द्वारा किये गये कार्यों तथा तैयार प्रारूपों की सघन समीक्षा सहभागी प्रक्रिया द्वारा प्राधिकरण में की जाती रही है। लगभग प्रत्येक सप्ताह किसी–न–किसी मॉडयूल की सघन समीक्षा के परिणामस्वरूप मॉडयूल को लगातार संशोधित करते हुए अंतिम प्रारूप बनाने में काफी प्रगति हुई है। प्राधिकरण ने दिसम्बर माह में इन मॉडयूलों को अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा है तथा संभावना है कि जनवरी माह में भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के दौरान इनमें से कुछ प्रशिक्षण प्रारंभ कर दिये जायेंगे।

(K) fcgkj jkT; vkink ic/ku ikf/kdj.k dk 12ok LFkkiuk fnol

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का 12वाँ स्थापना दिवस दिनांक 06 नवंबर, 2019 को पटना के अधिवेशन भवन में मनाया गया। 12वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन माननीय मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, श्री लक्ष्मेश्वर राय जी के कर कमलो द्वारा किया गया। वर्ष 2019 के स्थापना दिवस का विषय–Þtyok; ifjorZu tfur vkink,¡ ,oa ic/kuß था। 12वें स्थापना दिवस में शामिल होने वाले गणमान्य व्यक्तियों में प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री व्यास जी, सदस्य श्री पी0एन0 राय के अतिरिक्त राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व सदस्य श्री मुजफ्फर अहमद, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अनिल कुमार सिन्हा, महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य, डॉ0 रवि सिन्हा इत्यादि भी उपस्थित थे।

12oa LFkkiuk fnol dh e[; ckrsa&

- मानव जनित कारणों से होने वाला जलवायु परिवर्तन वैश्विक समाज के समक्ष मौजूदा सबसे बड़ा संकट है, जिससे ससमय निपटना वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती है। जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी के औसत तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके दुष्परिणाम विभिन्न क्षेत्रों में परिलक्षित हो रहे हैं।
- जलवायु परिवर्तन का सर्वाधिक प्रभाव मौसम चक्र पर हो रहा है जिसके कारण वर्षा, सर्दी एवं गर्मी के मौसम में अप्रत्याशित परिवर्तन परिलक्षित हो रहे हैं। अत्यधिक गर्मी एवं सर्दी तथा वर्षापात की अनियमितता काफी हद तक जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष परिणाम है।

- बिहार राज्य विभिन्न प्राकृतिक कारकों यथा भौगोलिक स्थिति, मौसम इत्यादि तथा सामाजिक/आर्थिक कारणों से जलवायु परिवर्तन के परिणामों के प्रति बेहद संवेदनशील है। राज्य में भी लगभग 90% आबादी जो ग्रामीण क्षेत्र में वास करती है तथा अपनी जीविका के लिए कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों पर निर्भर है, जलवायु परिवर्तन से सर्वाधिक प्रभावित हो रही है। राज्य में जलवायु परिवर्तन के संबंध में किये गये अध्ययनों के अनुसार बिहार में निकट भविष्य में औसत तापमान में असामान्य वृद्धि हो सकती है तथा साथ–साथ वर्षा के मौसम एवं मात्रा में भी बड़ा बदलाव आ सकता है।
- कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के साथ–साथ जलवायु परिवर्तन विभिन्न स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का भी कारक हो रहा है। यदि जलवायु परिवर्तन के कारकों पर समय से अंकुश नहीं लगाया गया तो तापमान में वृद्धि से लू, चक्रवाती तूफान, बाढ़, सुखाड़ इत्यादि की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि अव यसंभावी है, जिसके दुष्परिणाम पेड़–पौधें, जीव–जन्तु एवं मानव जीवन पर पड़ेगा, इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की घातक बीमारियों यथा मलेरिया, डेंगू इत्यादि की घटनाओं में भी जलवायु परिवर्तन के कारण वृद्धि हो सकती है।

स्थापना दिवस के तकनीकी सत्रों में शहरी बाढ़ तथा जलवायु परिवर्तन का कृषि एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर विद्वानों द्वारा गहन चर्चा एवं मंथन किया गया तथा साथ ही इन कारको से जनित कुप्रभावों एवं समस्याओं को कैसे न्यून किया जाए इस पर भी बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किये गये।

कार्यक्रम के दौरान आपदा प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु विभिन्न पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों को पुरस्कृत भी किया गया।

(L) Mass Messaging/Whatsapp Advisory

1. नवम्बर माह में प्राधिकरण द्वारा ^^ok;q izn"k.k ls cpus dk mik;^^ पर Mass Messaging किया गया जो निम्नांकित हैः– पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचों, वार्ड सदस्यों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद् सदस्योंः–(643122), आशा कर्मचारियों (77542), जीविका दीदी (148890), जीविका सचिव, अध्यक्ष (73625) आंगनबाड़ी सेविका (45946), फायर सर्विसेस (142), फौरेस्ट ऑफिसर (175)।

fcgkj jkT; vkink izca/ku izkf/kdj.k }kjk izf'kf{kr%& फोकल टीचर (1542), नाविक एवं नाव मालिक (5324), मुखिया और सरपंच (968), प्रमुख (196), अभियंत्ता (827), मैसन (4992+97=5089), आपदा मित्र (150), आदि लोगों को Mass Messaging द्वारा जागरूक किया गया।

iz'kklu%& DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), DCLR (102), Commisioners (9)

2. मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षित शनिवार की Monitoring के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हर सप्ताह वार्षिक सारणी पर आधारित Mass Messaging किया जा रहा है।

ok;q iznw"k.k ls cpus ds mik;%&

वायु प्रदूषण से फेफड़ा और दिल की बीमारी का खतरा पैदा होता है।
धुएँ से वायु प्रदूषण बढ़ता है अतएव जीवाश्म इधनों यथा–कोयला, गोबर के उपले, लकड़ी आदि को जलावन में उपयोग ने करें।

e[;ea=h fo|ky; lqj{kk dk;Øe dk vrxZr uoEcj ekg tks x;k eghuk iFke 'kfuokj

HkxnM+ lca/kh tksf[ke ,oa cpko ds lUnHkZ esa

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत इस शनिवार दिनांकः–02.11.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों को भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।

निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–181 शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80

DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9). 1,255 .

nwljk 'kfuokj

uko n?kZVuk ,oa ikuh esa Mcus ls cpko ds lUnHkZ esa

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अनतर्गत इस शनिवार 09. 11.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों को नाव

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के सन्दर्भ में जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी गया है।

आपका थोड़ा सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।
मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–181
शिक्षित:–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

<u>r'rh; 'kfuokj</u>

Hkdai ls [krjs ,oa cpko ds ckjs esa

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार को 16.11.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों में चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों को भूकंप से खतरे एवं बचाव के बारे में जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।
मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–196
शिक्षित:–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

<u>pkFkk 'kfuokj</u>

fuekfu;k ,oa lnhZ [kklh tqdke vkS[k ,oa Ropk dk lØe.k pspd ls

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार

26.11.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों को निमोनिया एवं सर्दी खांसी जुकाम आँख एवं त्वचा का संक्रमण चेचक से खतरे तथा इसके बचाव के उपाय के उपाय की जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।

निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–196 शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,542, DPO- 80

DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9). 1,255

<u>ikpo 'kfuokj</u>

LoPNrk d: lc/k e:

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार 30.11.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों स्वच्छता के संबंध में जानकारी एवं उसका अभ्यास कराया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का

आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।

निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–196 शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,542, DPO- 80

DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9). 1,255